ई–संस्करण, अंक 1

Room to Read®
World Change Starts with Educated Children

गपशप

नमस्कार,
आशा है कि आप और आपका परिवार अच्छे से होंगे। जैसा कि आप जानते हैं हम सभी लॉकडाउन में हैं और अपने–अपने घर पर हैं, हमने सोचा कि अपने नियमित समाचार पत्र गपशप का ई–संस्करण लाया जाए। हम आपको लॉकडाउन की इस अवधि के दौरान समय–समय पर इस तरह के ई–गपशप भेजते रहेंगे। आशा है कि आपको इसे पढ़कर अच्छा लगेगा। आप इसे अपने दोस्तों, परिवार के सदस्यों और आपके अनुसार जिन्हें भी इन लेखों को पढ़ने में मज़ा आए उनके साथ साझा कर सकते हैं।
घर पर रहें। सुरक्षित रहें।

रूम टू रीड परिवार

अंतरिक्ष के रहस्य

अंतरिक्ष एक ऐसा विषय है जो सभी को अपनी तरफ आकर्षित करता है। अंतरिक्ष की सुंदरता और विशालता सभी का मन मोह लेती है। यही कारण है कि कई हजार सालों से भी मानव इसके रहस्यों को जानने में लगा हुआ है। जब प्राचीन काल में लोग अंतरिक्ष में नहीं जा सकते थे तब वे रात को इसके बारे में सोचा करते थे। धीरे–धीरे विज्ञान ने बहुत तरक्की कर ली जिससे अब मानव अंतरिक्ष में पहुँच सकता है।

वैज्ञानिकों के मुताबिक अंतरिक्ष एक शून्य स्थान है जिसकी शुरूआत हमारी पृथ्वी से 100 किलोमीटर ऊपर होती है। यहाँ ना तो हवा है और ना ही कोई माध्यम है जिससे हमारी आवाज गूँज सके। अंतरिक्ष में ऐसा कुछ भी नहीं होता है जो कि ग्रह पर रहने वाले के लिए होता है जैसे हवा, पानी या ठहरने की जगह।

अगर हम स्पेस या अंतरिक्ष की तरफ देखें तो हमें इसमें लाखों, अरबों तारे, ग्रह और आकाशगंगाये देखने को मिलती हैं, जिनके साथ–साथ हम कई और विचित्र चीज़ो को भी देखते हैं जिन्हें हम समझ नहीं सके हैं। स्पेस के वैज्ञानिक उन पर लगातार शोध कर रहे हैं और पता लगाने के प्रयास में लगे रहते हैं।

स्पेस एक खोखली जगह नहीं हैं, तारों और ग्रहों के बीच जो दूरी होती है उसे हम स्पेस कहते हैं। ये एक ऐसी जगह है जो धूल, गैस, या अन्य रेडियेशन कणों से यानि अदृश्य व अत्यंत हानिकारक किरणों से भरी रहती है। जैसे पृथ्वी के वायुमंडल से बाहर जाते ही स्पेस यानि की अंतरिक्ष की सीमा शुरू हो जाती है और तब तक रहती है जब तक हमें कोई दूसरा ग्रह नहीं मिल जाता है।

बिग बैंग थ्योरी

ब्रह्माण्ड की शुरुआत कैसे हुई, ये सूरज कैसे आया, ये चाँद कैसे आया, पृथ्वी कहाँ से आयी – इस तरह के कई सवाल घूमते हैं हमारे दिल के अन्दर। सच कहूँ तो ये ऐसा सवाल है जिसके उत्तर की पूरी खोज अभी भी चल ही रही है। जैसे अभी एक खोज कहती है की चाँद एक नहीं, दो हैं..(19 फरवरी 2020 को अमेरिकी संस्था के खगोलविदों ने एक धीमी चीज को पृथ्वी के करीब घूमते हुए देखा, जिसका आकार चंद्रमा से छोटा है और इसे मिनीमून माना है।)
ब्रह्माण्ड की शुरुआत की सबसे मानी जाने वाली चर्चा है बिग बंग थ्योरी। इसके हिसाब से हमारे ब्रह्माण्ड के शुरुआत हुई एक धमाके से! एक विस्फोट से !

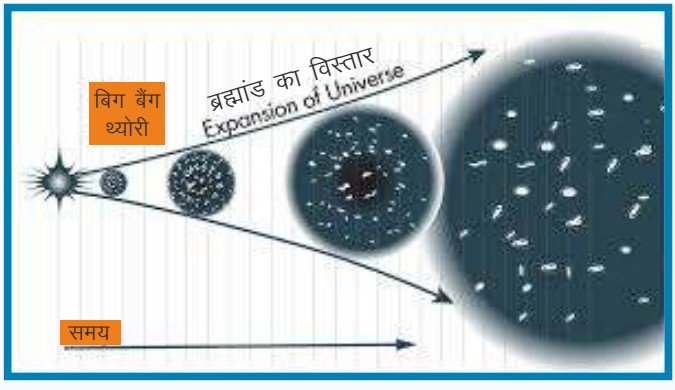

लगभग 14 अरब साल पहले ब्रह्मांड नहीं था, सिर्फ अंधकार था। अचानक एक बिंदु की उत्पत्ति हुई। फिर वह बिंदु मचलने लगा। फिर उसके अंदर भयानक परिवर्तन आने लगे। इस बिंदु के अंदर ही होने लगे विस्फोट। तब अंदर मौजूद धातुओं की आपसी टक्कर से अपार ऊर्जा पैदा हुई। फिर विस्फोट बदला महाविस्फोट में। इन महाविस्फोटों से ब्रह्मांड का निर्माण होता रहा। आज भी ब्रह्मांड में महाविस्फोट होते रहते हैं। इस तरह ब्रह्मांड लगातार फैल रहा है। यही बिग बैंग थ्योरी है जिसका प्रस्ताव वैज्ञानिक जॉर्जेस लेमैत्रे ने 1927 में दिया था।

सपनों की उड़ान

मान लीजिये की आप बड़े होकर एक स्पेस वैज्ञानिक बनें और आपको अंतरिक्ष में जाने का मौका मिले। तो आप अंतरिक्ष में किसी ग्रह पर जाना चाहेंगे, चाँद पर उतरना चाहेंगे, किसी तारे को नज़दीक से देखना चाहेंगे या फिर कुछ और? जो भी आपके मन में हो अपनी डायरी में लिखें।